निर्यात बंधु योजना के तहत क्षमता निर्माण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पटना (आससे)। पीएचडीसीआई बिहार चैप्टर और डीजीएफटी कोलकाता ने नॉलेज पार्टनर चंद्रगुपत प्रबंधन संस्थान, पटना के सहयोग से सीआईएमपी ऑडिटोरियम पटना में निर्यात बंधु योजना के तहत निर्यात जागरुकता पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बिहार के १८० से अधिक मौजूदा और उभरते निर्यातकों ने भाग लिया। सत्यजीत सिंह बिहार चैप्टर के अध्यक्ष, पीएचडीसीसीआई ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का स्वागत किया और मुख्य अतिथि आनंद मोहन मिश्र डीवाई डीजीएफओ आरए कोलकाता को मोमेंटो भेंट किया। आनंद मोहन मिर डीवाई डीजीएफटी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। श्री मिश्रा ने डीजीएफटी की निर्यात बंधु योजनाओ पर प्रस्तुति दी। उनहोंने निर्यात के लिए आवश्यक निर्यात दस्तावेज और उन दस्तावेजों को प्राप्त करने के तरीकों के बारे में भी बताया। उन्होंने भारत और अन्य देशों के बीच विभिन्न मुक्त व्यापार समझौतों पर भी प्रकाश डाला और निर्यातक समुदाय से

एफटीए का लाभ लेने के अपील की। एपीडा के श्री आनंद ने एपीडा की विभिन्न निर्यात प्रोत्साहन योजनाओं पर प्रकाश डाला और सदस्यों को निर्यात शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बिहार राज्य के नवोदित निर्यातकों की हैंडहोल्डिंग का बीमा किया।

प्रदीप झा कार्यालय प्रभारी, सिडबी बिहार ने निर्यात वित्त और सिडबी की विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया और सदस्यों को इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया। डा. राण सिंह- निदेशक, सीआईएमपी, जो बिहार स्टार्टअप नीति के समिति सदस्य भी हैं, ने बिहार स्टार्टअप नीति और बिहार के स्टार्टअप को इसके लाभ पर प्रस्तुति दी। उन्होंने अद्वितीय विचारों और उत्पादों के साथ युवा उद्यमियों को आगे आने और बिहार स्टार्टअप नीति में प्रदान किये गये लाभों को लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

सत्यजीत सिंह- अध्यक्ष, पीएचडीसीसीआई बिहार चैप्टर ने सभी वक्ताओं को धन्यवाद दिया और बिहार उद्योग के लि उनके समय की सराहना के प्रतीक के रूप में क्षण प्रस्तुत किया। प्रणव सिंह रेजिडेंट डायरेक्टर, पीएचडीसीसीआई बिहार चैप्टर ने कार्यक्रम का समापन किया।

AAJ ! Page.NO-04 ! Dated:12-11-2022

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए नीति में सुधार जरूरी

पटना। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) ने अपनी लीडरशिप लेक्चर सीरीज में डॉ. विनयशील गौतम (संस्थापक, आईआईएम-कोझीकोड और अध्यक्ष, डीके इंटरनेशनल फाउंडेशन) को शुक्रवार को वर्चुअल मोड में होस्ट किया। स्वागत भाषण प्रो. राणा सिंह, निदेशक, सीआईएमपी ने दिया। डॉ. सिंह ने गणमान्य व्यक्तियों और दर्शकों का स्वागत किया। डॉ. सिंह ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के महत्व का उल्लेख किया। डॉ. विनयशील गौतम ने कहा कि नीति निर्माण में कोई लापरवाही नहीं है और ना ही नीति निर्माण के प्रति समर्पण की कमी है, लेकिन कार्यान्वयन एक प्रमुख चिंता का विषय है। भारत विभिन्न सूचकांकों में निम्न स्थान पर है। इसका मुख्य कारण भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी है। उन्होंने यह भी कहा कि हमारी शिक्षा नीति में सुधार पर ध्यान केंद्रित करना होगा। यह हमारे देश के आर्थिक विकास में सुधार और गरीबी को कम करने के लिए बहुत ही बुनियादी जरूरत है। सत्र के दौरान कुमोद कुमार, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, सीआईएमपी, संकाय सदस्य, कर्मचारी और अन्य उपस्थित थे।

■सीआईएमपी में आयोजित लीडरशिप लेक्चर सीरीज में बोले डॉ. विनयशील गौतम

Rashtriya Sahara ! Page.NO-04 ! Dated:12-11-2022

निर्यातकों को निर्यात प्रोत्साहन योजनाओं की दी गई जानकारी

पटना | पीएचडीसीआई बिहार चैप्टर और डीजीएफटी कोलकाता ने नॉलेज पार्टनर चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान के सहयोग से सीआईएमपी ऑडिटोरियम में शुक्रवार को निर्यात बंधु योजना के तहत निर्यात जागरूकता पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। डीवाई डीजीएफटी आनंद मोहन मिश्रा ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने निर्यात के लिए आवश्यक दस्तावेज और उन दस्तावेजों को प्राप्त करने के तरीकों के बारे में भी बताया। मौके पर एपीडा के आनंद ने विभिन्न निर्यात प्रोत्साहन योजनाओं पर प्रकाश डाला।

Dainik Bhaskar ! Page.No-08 ! Dated:12-11-2022

निर्यात जागरूकता पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम

पटना। सीआईएमपी पटना में शुक्रवार को पीएचडीसीआई बिहार चैप्टर और डीजीएफटी कोलकाता के सहयोग से निर्यात बंधु योजना के तहत निर्यात जागरूकता पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम हुआ। बिहार चैप्टर के अध्यक्ष सत्यजीत सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि आनंद मोहन मिश्रा ने निर्यात के लिये आवश्यक दस्तावेजों और उन्हें पाने के तरीके बताए।

Hindustan ! Page.NO-04! Dated:12-11-2022

सीआइएमपी : गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए बहुविषयक दृष्टिकोण जरूरी

पटना. चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट की ओर से शुक्रवार को विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया. ऑनलाइन व्याख्यान का विषय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के महत्व पर रखा गया था. इस अवसर पर वक्ता आइआइएम के कोझीकोड के संस्थापक डॉ विनयशील गौतम ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए बहुविषयक दृष्टिकोण की आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि नीति निर्माण में समर्पण की कमी, जिसे दूर कर बेहतर किया जा सकता है. डॉ विनयशील गौतम ने कहा कि हमारी शिक्षा नीति में सुधार पर ध्यान केंद्रित करना होगा, क्योंकि यह हमारे देश के आर्थिक विकास में सुधार और गरीबी को कम करने के लिए बुनियादी जरूरत है. उन्होंने देश में शिक्षा के स्तर में सुधार करने के लिए जमीनी स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के महत्व के प्रति लोगों को जागरूक करने की भी बात कहीं.

Prabhat Khabar ! Page.NO-11
Dated:12-11-2022